धर्म को डर नहीं

धर्म को डर नहीं दुनिया रे माँय ,
धणियाँ बिना तो आज सूनी फिरे गाय ।
कटवाने चाली आज काना थारी गाय ,
सुणो – सुणो म्हारा सांवरा कुण करे सहाय ।।

समुद्र मंथन काम धेनु प्रगटाय ,
तन में तैतीस कोटी देवता समाय ।
गो से गोपाल नाम सांवरो कहाय ,
सुणो – सुणो म्हारा सांवरा कुण करे सहाय ।।
धर्म को डर नहीं दुनिया रे माँय.....

गोबर भी शुद्ध यज्ञ आंगणो लिपाय ,
मूत्र भी पवित्र सर्व मंगला कहाय ।
दर्शन करता ही पाप मिट जाए ,
सुणो – सुणो म्हारा सांवरा कुण करे सहाय ।।
धर्म को डर नहीं दुनिया रे माँय.....

दूध है पवित्र सारा देवता नहाय ,
पंच गव्य रोगों ने तो जड़ सूं मिटाय ।
अनमोल हीरो आज कचरा में जाय ,
सुणो – सुणो म्हारा सांवरा कुण करे सहाय ॥
धर्म को डर नहीं दुनिया रे माँय.....

भोली – भाली सूरत में ममता समाय ,
शक्ति स्वरूप गौ माता कहलाए ।।
सेवा बिना वैतरणी पार कैसे पाय ,
सुणो – सुणो म्हारा सांवरा कुण करे सहाय ॥
धर्म को डर नहीं दुनिया रे माँय.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23037/title/dharam-ko-dar-nahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |